रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)-127

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 105] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 2, 1989/ज्येष्ठ 12, 1911
No. 105] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 2, 1989/JYAISTHA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 1989

निधन सूचना

सं. 3/4/89-पब्लिक.—केन्द्रीय संचार मंत्री श्री वीर बहादुर सिंह का 30 मई, 1989 को पेरिस में हेनरी मन्दोर अस्पताल में निधन हो गया। उनके अचानक तथा असामयिक निधन से देश ने एक सुयोग्य प्रशासक तथा एक उच्च कोटि का संगठक खो दिया है। जनसाधारण के नेता, श्री सिंह का राज्य व केन्द्र दोनों स्तर पर समान प्रभाव था।

श्री सिंह का जन्म 18 फरवरी, 1935 को गोरखपुर जिले के गांव हरनाही में हुआ। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। अपने शैक्षणिक जीवन में, श्री सिंह को छात्रावस्था से ही राजनीति में गहरी रुचि थी। 1954 में वह जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष बने। उन्होंने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा महासचिव के रूप में भी कार्य किया और बाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा 1980 से पार्टी के केन्द्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बने।

श्री सिंह पनियारा से विधानसभा चुनाव जीत कर 32 वर्ष की आयु में ही सन् 1967 में विधायक चुने गए। तबसे वह, 1977 में अपनी पहली हार को छोड़कर विधानसभा के सदस्य बने रहे। 1970 में चौधरी चरण सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेस-भारतीय क्रांति दल की मिली-जुली सरकार में पहली बार उन्हें उप-मंत्री बनाया गया और उसके बाद 1976 में तथा 1980 से 1985 तक बनी विभिन्न सरकारों में वह उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री तथा कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य करते रहे। 24 सितम्बर, 1985 को वह राज्य के मुख्य मंत्री बने और 24 जून, 1988 तक इसी पद पर बने रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री का पद त्यागने के बाद उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया और जून, 1988 में संचार मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। नवम्बर, 1988 में उन्हें राज्यसभा के लिए चुना गया।

श्री सिंह ने व्यापक भ्रमण किया था। 1969 में उन्होंने एक युवा डेलिगेट के रूप में सोवियत संघ का दौरा किया। 1984 में वह कांग्रेस डेलिगेशन के प्रमुख के रूप में यूरोप गए और इंग्लैण्ड, रोमानिया, यू.एस.एस.आर. तथा फ्रांस का दौरा किया।

अन्य बातों के साथ-साथ, श्री सिंह की कृषि तथा युवा कल्याण कार्यों में भी गहरी रुचि थी।

श्री सिंह अपने पीछे तीन पुत्र व तीन पुत्रियां छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी का निधन उनसे पहले इस वर्ष के शुरू में हो गया था।

जे. ए. कल्याणकृष्णन, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 1989

OBITUARY

No. 3|4|89-Public.—The Union Communications Minister Shri Bir Bahadur Singh passed away in the afternoon of 30th May, 1989 at the Henry Mondor Hospital in Paris. His sudden and untimely death has deprived the country of an able administrator and an excellent organiser. A leader of the masses, Shri Singh was equally effective at the State-level and at the Centre.

Born at Village Harnahi, Gorakhpur District, Uttar Pradesh on February, 18, 1935, Shri Bir Bahadur Singh obtained his education at Gorakhpur University. During his academic career, Shri Singh evinced a keen interest in politics from his student days. He became President of District Youth Congress in 1954. He also served as Member and General Secretary of the UPCC and subsequently as Member, AICC and as member of the Party's Central Parlaimentary Board from 1980.

Shri Singh was elected a legislator in 1967 at the age of 32 when he won the Assembly election from Paniara. Since then, he had been member of the Legislative Assembly excepting his first defeat in 1977. He was first inducted as a Deputy Minister in the Congress-BKD Coalition Government headed by Chaudhary Charan Singh in the year 1970 and continued to function as Minister of State and Cabinet Minister in the Government of Uttar Pradesh in various Ministries formed thereafter in 1976 and 1980 upto 1985. He became the Chief Minister of the State on 21th September, 1985 and held this position upto 24th June, 1988. After he relinquished the office of Chief Minister, U. P., he was taken in the Union Cabinet and was sworn in as Minister of Communications in June, 1988. He was elected to the Rajya Sabha in November, 1988.

Shri Singh was a widely travelled man. He visited the Soviet Union as a youth delegate in 1969. In 1984, he went to Europe as the Head of a Congress delegation and visited England, Romania, USSR and France.

Among Other things, Shri Singh was keenly interested in agriculture and youth welfare activities.

Shri Singh is survived by three sons and three daughters. His wife pre-deceased him early this year.

J. A. KALYANAKRISHNAN, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1989